ऑनलाइन एजुकेशन सिस्टम पर वेबिनार

वर्चुअल कॉलेज-यूनिवर्सिटी और रिसर्च सेंटर है आज की जरूरत

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

रायपुर ◆ कोरोना की वजह से ऑनलाइन एजुकेशन का ट्रेंड चल पड़ा है। हालांकि इसमें कुछ दिक्कतें भी हैं, जिसे दूर करने नए आइडियाज पर मंथन किया जा रहा है। इसी सोच को लेकर विप्र कॉलेज में ऑनलाइन एजुकेशन सिस्टम पर वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है। दूसरे दिन डॉ. वी.पी. जोशीथ सहायक प्रोफेसर डीओई, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन शिक्षण की पद्धति विषय पर कहा कि छात्रों की क्षमता के मुताबिक शिक्षा दी जानी चाहिए। ऑनलाइन शिक्षा के लिए वर्चुअल रिसर्च सेंटर, वर्चुअल कॉलेज-यूनिवर्सिटी की स्थापना आज की जरूरत है।

वर्चुअल क्लासरूम के लिए टूल्स का सही ढंग से उपयोग भी किया जाना चाहिए।

आज इनके लेक्चर: डॉ. के. थियागु स्कूल ऑफ एजुकेशन में सहायक प्रोफेसर, केंद्रीय विश्वविद्यालय केरल डिजिटल नागरिकता पर व्याख्यान देंगे। उर्मिला महेंद्र हाडेकर, व्याख्याता, क्षेत्रीय शैक्षणिक प्राधिकरण राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान नागपुर ऑनलाइन शिक्षण- चुनौतियां और संभावनाएं विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे।

रोजगारपरक शिक्षा के मुताबिक हों पाठ्यक्रम

प्रभाकर पुसादकर सहायक प्रोफेसर, एनएसीएस कॉलेज, वर्धा ने तालीम ऑनलाइन मोड के माध्यम से: चुनौतियां और संभावनाएं विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा, सभी को समान रूप से अधिकार प्राप्त समाज को बनाने की शिक्षा होनी चाहिए। आज रोजगारपरक शिक्षा की के हिसाब से पाठ्यक्रम तैयार किए जाने की जरूरत है।